Bhartiya Shodh Patrika
Volume-6, Issue-1 Quarterly (Jan. 2025 to March 2025) ISSN- 2582-6824

जनपद प्रयागराज मेंउच्च प्राथमिक स्तर पर विशेष विद्यालयों में श्रवण बाधित हेतु दी जाने वाली शैक्षिक सुविधाओं पर एक अध्ययन

सपना कुमारी
शिक्षाशास्त्र विभाग ,
लखनऊ विश्वविद्यालयलखनऊ ,

सारांश

प्रस्तुत लघु शोध अध्ययन हेतु निम्न शीर्षक का चुनाव "जनपद प्रयागराज मेंउच्च प्राथमिक स्तर पर विशेष विद्यालयों में श्रवण बाधित हेतु दी जाने वाली शैक्षिक सुविधाओं पर एक अध्ययन" किया गया है उद्देश्य के रूप में श्रवण बाधितों हेतु विशेष विद्यालयों में उपलब्ध शैक्षिक सुविधाओं की स्थिति का पता लगाना हैप्रस्तुत लघु शोध प्रबंध ,प्रस्तुत अध्ययन में सकारात्मक परिकल्पना का निर्माण किया गया है , में प्रयागराज जनपद में स्थित श्रवण बाधितों हेतु सभी विशेष विद्यालयों को शामिल किया गया हैप्रस्तुत , ,न्यादर्श विधि द्वारा श्रवण बाधित हेतु विशेष विद्यालयों का चयन किया गया है ,सोद्देश्य लघु शोध प्रबंध में श्रवण बाधित विशेष विद्यालयों का चयन किया गया 4 तत्पश्चात यादृच्छिक न्यायाधीश द्वारा है उपकरण के रूप में स्वमें प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु प्रस्तुत शोध अध्ययन ,निर्मित चेकलिस्ट का निर्माण किया गया-प्रतिशतता विधि का प्रयोग किया गया है चतुर्थ अध्याय में आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या प्रस्तुत किया गया है इस अध्ययन में आंकड़ों की व्याख्या के आधार पर निष्कर्ष-निष्कर्ष के आधार पर शैक्षिक , गए हैं। निहितार्थ एवं सुझाव प्रस्तुत किए

परिणाम तालिका से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि कुछ शिक्षण संस्थान में श्रवण बाधितों हेतु विशेष विद्यालय में जगहजगह पर मार्ग पहचानने के लिए लिखित व संकेत चिन्ह का प-ुरयोग नहीं किया गया है कि संस्थानों में जागरूकता की कमी थी |

कुछ शिक्षण संस्थानो में देखा गया कि श्रवण बाधितों के कुछ कक्षाओं को यूसेप का आकार नहीं दिया -तक की कक्षाएं सामान्य 12 से 8 सेप में थी जबकि बड़ी कक्षाएं जैसे-जिसमें छोटी कक्षा यू ,गया था छात्रोंं के अनुसार व्यवस्थित की गई थी |

ग्रामीण परिवेश वाले विशेष विद्यालय में श्रवण बाधितों हेतु आवासीय विद्यालय यानी छात्रावास की व्यवस्था नहीं थी क्योंकि उन संस्थानों में बजट की कमी एवं व्यवस्था ना होने के कारण बच्चे के लिए छात्रावास की व्यवस्था नहीं हो पाई है |

परिणाम स्वरुप यह देखा गया कि कुछ शिक्षण संस्थानों के विशिष्ट विद्यालय की कक्षा में स्पीचथैरेपी लैब की व्यवस्था नहीं थी कारण के रूप में बजट की कमी बताई गईप्रशिक्षण शिक्षण 25 जिस कारण , | संस्थानों में स्पीच थेरेपी लैब व्यवस्था नहीं हो पाई है

कुछ शिक्षण संस्थानों के विशेष विद्यालयों में श्रवण बाधितों द्वारा व्यक्तिगत श्रवण यंत्र का प्रयोग नहीं किया जाता था क्योंकि बच्चों के मातापिता द्वारा शीघ्र पहचान तथा शीघ्र हस्तक्षेप नहीं हो पाने से बच्चे - अचानक आवाज को सुनने का प्रयास करते हैं उन्हें परेशानी होती हैजिस कारण बच्चे श्रवण यंत्र का प्रयोग करना पसंद नहीं करते हैं |

कुछ शिक्षण संस्थान में कंप्यूटर लैब की व्यवस्था नहीं पाई गई जिसमें कारण पूछने पर बजट की कमी बताई गई इस कारण बच्चों के लिए कंप्यूटर की व्यवस्था नहीं हो पाई है |

शिक्षण संस्थानों में देखा गया कि %50विशेष विद्यालय में श्रवण बाधित विद्यार्थियों के शिक्षण के लिए एलप्रोजेक्ट व्यवस्था नहीं हो पाई है शिक्षक द्वारा बताया गया कि प्रोजेक्टर अधिक महंगा होता है .डी.सी. %50 जिस कारण की व्यवस्था नहीं हो पाती है इसलिएविशेष विद्यालयों में एल सी डी प्रोजेक्टर की व्यवस्था नहीं है |

प्रस्तावना

शिक्षा मानव विकास का मूल साधन है, जिसके द्वारा मानव की जन्मजात शक्तियों का विकास होता है, उसके ज्ञान एवं कला कौशल में वृद्धि होती है एवं व्यवहार में परिवर्तन किया जाता है| यह कार्य मनुष्य के जन्म से ही प्रारंभ हो जाता है सामान्यतःमनुष्य अपनी ज्ञानेंद्रियों आंख, कान, नाक, जीव, त्वचा के द्वारा ही शिक्षा ग्रहण करता है |विद्यालय स्तर पर दिव्यांगता से ग्रस्त बालकों को विशेष बालकों की संज्ञा दी जाती है और विशेष बालकों की आवश्यकताएं भी सामान्य बालकों से भिन्न होती हैं, अतः विशेष शिक्षाध्यान में रखा शिक्षा की एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें विशेष बालकों की मूलभूत आवश्यकताओं को, गया है |

विशेष आवश्यकता वाले बालकों को यकीनन वो सारी सुविधाए और चुनाव का अवसर मिलना चाहिए | जिससे उनका समाज में समावेसन हो और सर्वांगीण विकास का मार्गप्रसस्त हो सके हमारा समाज | गो और उनकी समस्याओं के विकास के कई दौर से गुजरा है विकास के हर दौर में मनुष्य की समझ लो | दिव्यांग लोग भी इससे अछूते न रहे,प्रति भिन्न भिन्न रही है

विशेष बालक

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को अपवादी बच्चे भी कहा जाता है सामान्यतः विशेष आवश्यकता वाले बच्चे उन बच्चों को कहा जाता है जो अपनी क्षमताओं योग्यताओं व्यवहार व्यक्तित्व आदि से अपनी आयु के अन्य बच्चों से अलग होते हैं यह भिन्नता इसके उच्चता के कारण भी हो सकती है और निम्नता के कारण भीअर्थात इस प्रकार के बच्चों का विकास या तो इत |ना ज्यादा होता है कि वे अन्य बच्चों से आगे निकल जाते हैं या इतना कम विकास होता है कि बच्चे अन्य बच्चों से पिछड़ जाते हैं|

विशेष बालकों के प्रकार

शारीरिक रूप से विकलांग बालक

i. अस्थि बाधित बालक
ii. श्रवण बाधित बालक
iii. दृष्टि बाधित बालक
iv. बाणी बाधित बालक

बौद्धिक रूप से

i. प्रतिभाशाली बालक
ii. सृजनशील बालक
iii. मंदबुद्धि बालक
iv. अधिगम असमर्थ बालक

सामाजिक रुप से

i. समस्यात्मक बालक
ii. बाल अपराधी

शोध के उद्देश्य

प्रस्तुत शोध सर्वेक्षणात्मक शोध है जिसका उद्देश्य जनपद प्रयागराज में संचालित उच्च प्राथमिक स्तर पर विशेष विद्यालयों में श्रवण बाधित विद्यार्थियों को दी जाने वाली शैक्षिक सुविधाओं का अध्ययन करना है-: जिसके उद्देश्य निम्न हैं,

- श्रवण बाधित हेतु प्रयागराज में संचालित विशेष विद्यालयों में उपलब्ध शैक्षिक सुविधाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में जानकारी करना |
- हेतु श्रवण बाधितों हेतु सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों में उपलब्ध सुविधाओं को चिन्हित करना |
- श्रवण बाधितो हेतु प्रयागराज में संचालित विशेष विद्यालयों के प्रधानाध्यापक कार्यक्रम समन्वयको से संबंधित कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त करना |
- श्रवण बाधितों हेतु प्रयागराज में संचालित विशेष विद्यालयों के विभिन्न संप्रेषण तकनीकों का अध्ययन करना |
- श्रवण बाधितों हेतु प्रयागराज में संचालित विशेष विद्यालयों के पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी प्राप्त करना |
- श्रवण बाधितों हेतु प्रयागराज में संचालित विशेष विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का अध्ययन करना |

शोध की परिकल्पना

- प्रयागराज जनपद में श्रवण बधितों हेतु विशेष विद्यालयों में शैक्षिक व्यवस्थए होंगी |
- प्रयागराज जनपद में श्रवण बधितों हेतु विशेष विद्यालयों में अनुकूलित संसाधनो की व्यवस्थए होंगी
- प्रयागराज जनपद में श्रवण बधितों हेतु विशेष विद्यालयों में शिक्षण अधिगम सामग्री की समुचित व्यवस्थए होंगी |

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन

- फ्रेड और फ्रिमेन " 1981श्रवण बाधित बच्चों के संप्रेषण से सम्बन्धित एक अध्ययनमें उन्होंने " बताया कि जब हम मौखिक पुनर्वास कार्यक्रम के साथ विस्तार पद्धति को जोड़कर सही प्रयोग करते हैं तो यह स्कूल जाने वाले श्रवण बाधित बच्चों के संप्रेषण को और प्रभावशाली बनाता है |
- बिग्गी ,1982एंडर " 1981श्रवण बाधितों एवं अन्य विशिष्ट बालकों के कंप्यूटर प्रयोग से संबंधित अध्ययन उन्होंने बताया कि कंप्यूटर श्रवण "बाधित को शिक्षा के लिए आकर्षित करता है साथ ही है ऐसे बच्चों का पुनर्वास करने में मदद मिलता है और यह ऐसे बच्चों की अधिगम क्षमता को बढ़ाता है सहन को -कंप्यूटर के प्रयोग द्वारा विशिष्ट बालकों में शैक्षणिक क्रिया एवं स्वतंत्र रहन | | बढ़ाया जा सकता है
- हर्टजोन, स्टिन्सन और कीफर " 1989श्रवण बाधित बच्चों के विशेष शिक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग पर एक अध्ययनमें उन्होंने बताया कि विशेष शिक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग से विशेष " शिक्षा में गुणवत्ता लायी जा सकती है और शिक्षण अधिगम की क्रिया के उच्चतम लक्ष्य को पाया

जा सकता क्योंकि प्रौद्योगिकी के उपयोग श्रवण बाधित बच्चों में शिक्षा के प्रति अधिक रुचि दिखाई दी और श्रवण बाधित बच्चों की शिक्षा एवं पुनर्वास में सहायक सिद्ध हो सकता है |

अध्ययन प्रविधि

शोध कार्य में वर्णनात्मक अनुसंधान विधि का चयन किया गया है, इसके अंतर्गत सर्वेक्षण अनुसंधान विधि का प्रयोग किया गया है |

जनसंख्या

प्रस्तुत शोध में शोधकर्ताओं द्वारा न्यादर्श प्रतिचयन विधि का प्रयोग किया जाता है प्रयागराज जनपद में | | "स्थित श्रवण बाधितों हेतु विशेष विद्यालय इस शोध की जनसंख्या को प्रदर्शित करेगें

शोध का न्यादर्श

इस शोध में न्यादार्श हेतु ग्रामीण परिवेश तथा शहरी परिवेश से श्रवण बाधितों हेतु विशेष विद्यालयों को 4 | " सामिल किया गया है

उपकरण

शोधकत्री द्वारा प्रयागराज जनपद के श्रवण बाधित हेतु जो विशेष विद्यालय हैंउनको दी जाने वाली शैक्षिक , सुविधाओं कीस्थितिइस उद्देश्य को ध्यान में रखते ,यदि है तो उपयोग में है या नहीं ,है या नहीं -अर्थात , | लिस्ट तैयार की गई है-हुए स्वनिर्मित चेक

परिणाम तालिका

.N.S	(शैक्षिक सुबिधाओं सेसम्बन्धित)	हाँ	नहीं
.1	क्या आपके विद्यालय का वातावरण शांतिपूर्ण है?	%100	00
.2	क्या आपके विद्यालय में जगहजगह पर मार्ग प-हचानने के लिए लिखित व सांकेतिक चिन्हों का प्रयोग किया गया है ?	75%	25%
.3	क्या आपके विद्यालय में श्रवण बाधितों के अनुकूल खेल की व्यवस्था है ?	100%	00
.4	क्या आपके विद्यालय में श्रवण बाधितों के लिए छात्रावास की व्यवस्था है?	50%	50%
.5	क्या आपके विद्यालय में श्रवण बाधित विद्यार्थियों के शिक्षण के दौरान सांकेतिक भाषा प्रयोग किया जाता है ?	100%	00
.6	क्या आपके विद्यालय की कक्षा व्यवस्था यूं सेप के रूप में है?	50%	50%
.7	क्या आपके विद्यालय में आइडलोजी लैब की व्यवस्था है ?	100%	00
.8	क्या आपके विद्यालय में स्पीचथेरेपी लैब की व्यवस्था है ?	75%	25%
.9	क्या आपके विद्यालय में श्रवण बाधितों के अनुकूलपाठ्यक्रमकी व्यवस्था है	100%	00
.10	क्या शिक्षण कार्य के दौरान शिक्षकों द्वारा उपयोग की गई शिक्षण विधियां तथा शिक्षण तकनीकी छात्रों के अनुकूल हैं?	100%	00
.11	क्या शिक्षण कार्य के समय उपयोग की गई शिक्षण अधिगम सामग्री छात्रों के अनुकूल रहती हैं?	100%	00
.12	क्या आपके विद्यालय में पाठ्य सहगामी क्रियाओं से संबंधित व्यवस्थाएं हैं?	100%	00
.13	क्या आपके विद्यालय में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं श्रवण बाधितों के अनुकूल संचालित होती हैं?	100%	00
.14	क्या आपके विद्यालय मेंश्रवण बाधितों के लिए भ्रमण सांकेतिकभाषा की व्यवस्था है	100%	00
.15	क्या आपके विद्यालय के प्रत्येक कक्षा में समूह श्रवण यंत्र की व्यवस्था है?	100%	00
.16	क्या आपकी विद्यालय में श्रवण बाधित विद्यार्थी व्यक्तिगत श्रवण यंत्र का प्रयोग करते हैं?	75%	25%
.17	आपके विद्यालय में पुस्तकालय की व्यवस्था है?	100%	00

.18	क्या आपके विद्यालय में कंप्यूटर लैब की व्यवस्था है?	75%	25%
.19	क्या आपके विद्यालय में शारीरिक शिक्षा जैसे- योग, दौड़ना, कूदना आदि संबंधी शिक्षाएं दी जाती हैं?	100%	00
.20	क्या आपकी विद्यालय में श्रवण बाधित विद्यार्थियों के लिए व्यवसायिक शिक्षा दी जाती है ?	100%	00
.21	क्या आपके विद्यालय में रिसोर्स-रूम है?	100%	00
.22	क्या आपके विद्यालय में समयसमय पर अभिभावक परामर्श मीटिंग- आयोजित किया जाता है?	100%	00
.23	क्या विद्यालय द्वारा छात्रों के अभिभावक को छात्र प्रगति-स्तर को समयसमय पर अवगत - ? कराया जाता है	100%	00
.24	क्या विद्यालय द्वारा पूर्व में श्रवण बाधित बच्चों का सर्वांगीण विकास कर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा गया है ?	100%	00
.25	क्या आपके विद्यालय में एलप्रोजेक्टर की ब्यवस्था है .डी .सी .	50%	50%

उपरोक्त सारणी के आधार पर प्रश्न संख्या 1,3,5,7,9,10,11,12,13,14,15,17,19, 20,21,22,23और 24 में जनपद प्रयागराज के उच्च प्राथमिक स्तर पर विशेष विद्यालयों में श्रवण बाधितों हेतु दी जाने वाली शैक्षिक सुविधाओं में 100% की जागरूकता पायी गई है, जबकि प्रश्न संख्या 28,16 और18 में जागरूकता का स्तर 75% तथा प्रश्न संख्या 25,6और 4 में जागरूकता का स्तर50% पायी गई|